

श्री राम से मोहे मिला देना _^_

बजरंगबली मेरी नाव चली, ज़रा बली कृपा की लगा देना ।

मुझे रोग ने शोक ने घेर लिया, मेरे ताप को नाथ मिटा देना ॥

मैं दास तो आपका जन्म से हूँ, बालक और शिष्य भी धर्म से हूँ ।

बेशर्म विमुख निज कर्म से हूँ, चित्त से मेरा दोष भूला देना ॥ १ ॥

दुर्बल हूँ गरीब हूँ दीन हूँ मैं , निज कर्मक्रिया गतिक्षीण हूँ मैं ।

बलबीर तेरे आधीन हूँ मैं, मेरी बिगड़ी को नाथ बना देना ॥ २ ॥

बल दे के मुझे निर्भय कर दो, यश कीर्ति मेरी अक्षय कर दो ।

मेरे जीवन को सुखमय कर दो, संजीवन लाय पिला देना ॥ ३ ॥

करुणानिधि आपका नाम भी है, शरणागत राधेश्याम भी है ।

इसके अतिरिक्त ये काम भी है, श्री राम से मोहे मिला देना ॥ ४ ॥

जय श्री राम, जय जय हनुमान _/